संवाद

अंक 08 : सितम्बर से दिसम्बर 2024
त्रमासिक पत्र

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल, राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

एसपीए भोपाल का 11वां दीक्षांत समारोह संपन्न

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एसपीए) भोपाल का 11वां दीक्षांत समारोह संस्थान परिसर में दिनांक 25 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया । **प्रोफेसर किशोर कुमार बासा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण, भारत सरकार,** इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

प्रो. हाकम दान चारण, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (शासी मण्डल) ने दीक्षांत समारोह के प्रारंभ की घोषणा की। निदेशक, प्रो. कैलासा राव एम. ने मुख्य अतिथि और उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया एवं विगत वर्ष में हुई एसपीए भोपाल की गतिविधियों और उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि हमारे छात्रों ने प्रसिद्ध संगठनों द्वारा आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों, प्रतियोगिताओं और सम्मेलनों में भाग लेकर एवं पुरस्कृत होकर संस्थान का नाम रोशन किया । निदेशक ने पिछले वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित प्रमुख गतिविधियों से अवगत किया, जिनमें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, प्रशिक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कार्यशालाएं, उत्कृष्टता केंद्र स्थापना और प्रतिष्ठित अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएं आदि शामिल थीं।

मुख्य अतिथि, प्रोफेसर किशोर कुमार बासा दो दशकों से अधिक समय तक उत्कल विश्वविद्यालय में पुरातत्व विभाग में प्रोफेसर पद पर भी कार्यरत रहे थे। उन्होंने दीक्षांत "एंथ्रोपोसीन के दौरान आर्किटेक्ट्स: भारत में एक पेशे के रूप में वास्तुकला के लिए चुनौतियां" विषय पर भाषण दिया और सभी स्नातकों को बधाई दी।

इस शुभ अवसर पर **263** स्नातकों (**125** स्नातक, **129** परास्नातक, **9** पीएचडी) को उपाधियाँ (डिग्री) और पदक **मुख्य अतिथि और अध्यक्ष, सीनेट (एसपीए भोपाल)** द्वारा प्रदान किए गए, जिनमे वास्तुकला में स्नातक, योजना में स्नातक, वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण), वास्तुकला में परास्नातक (भूपरिद्रश्य), वास्तुकला में परास्नातक (नगर अभिकल्पना), अभिकल्प में परास्नातक, योजना परास्नातक (पर्यावरण योजना), योजना परास्नातक (परिवहन योजना एवं लोजिस्टिक्स प्रबंधन), योजना परास्नातक (नगर एवं क्षेत्रीय योजना) एवं विद्या वाचस्पति (पीएचडी) शामिल थे । उपाधियों के अतिरिक्त **दो** उत्कृष्टता पदक, **नौ** प्रवीणता स्वर्ण पदक, **एक** प्रवीणता प्रशंसा पत्र, **दस** सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार एवं **दो** थीसिस के लिए प्रशंसा का प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये । **प्रोफेसर नटराज क्रांति, डीन (शैक्षणिक)** ने पूरे कार्यक्रम का समन्वय किया|

आयोजन स्थल पर विभिन्न विभागों के विधार्थियों के द्वारा बनाए गए चयनित शैक्षणिक कार्यों की प्रदर्शनी आयोजित की गई । प्रदर्शनी में स्टूडियो कार्य, पोस्टर और डिज़ाइन शामिल थे ।

सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित 5 दिवसीय कार्यशाला

सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन योजना एवं वास्तुकला विद्यालय में 9 दिसम्बर 2024 से शुभारंभ हुआ | उद्घाटन समारोह मुख्य अतिथि प्रो. गोबर्धन दास जी (निदेशक IISER भोपाल), एस.पी.ए. भोपाल के शासी मण्डल के अध्यक्ष डॉ. एच. डी. चारण एवं निदेशक डॉ. कैलाश राव जी की उपस्थिति मे संपन्न हुआ | सभी वक्ताओं ने मानव मूल्यों को आज के परिपेक्ष मैं महत्वपूर्ण माना और एस.पी.ए. भोपाल को इस के आयोजन के लिए बधाई दी | AICTE की ओर से पधारे रिसोर्स पर्सन के रूप में श्री मोहित श्रीवास्तव जी, को-फैसिलिटेटर श्री यशवंत पाटिल जी एवं आब्जर्वर श्री ऋषि राज इस पांच दिवसीय कार्यशाला को संचालित किया। इस कार्यशाला मे कुल 80 प्रतिभागी थे जिसमें एस.पी.ए. भोपाल के अध्यापको के अलावा अन्य संस्थानों से प्रतिभागी ने भाग लिया|

सतत जीवन शैली एवं जलवायु अनुकूल निर्माण अभिकल्पना एवं योजना विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

संस्थान परिसर में सतत जीवन शैली एवं जलवायु अनुकूल निर्माण अभिकल्पना एवं योजन विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया| सम्मलेन में विभिन्न विषयों पर पैनल चर्चा के छह सत्र आयोजित किए गए। पद्मश्री श्री महेश शर्मा, पर्यावरण संरक्षणवादी और सामाजिक कार्यकर्ता ने झाबुआ, मध्य प्रदेश में एक समुदाय संचालित पहल "शिव गंगा" आंदोलन पर चर्चा की, जो वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और वनीकरण के माध्यम से जल संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करता है। जिसने सफलतापूर्वक स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित किया है और कृषि उत्पादकता में सुधार करके प्रवासन को कम किया है। पद्मश्री डॉ. जनक पलटा मैकगिलिगन, संस्थापक-निदेशक, जिमी मैकगिलिगन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, इंदौर ने सतत जीवन के व्यावहारिक मॉडल पर चर्चा की, जिसमें दिखाया गया कि कैसे विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग, जैविक खेती और स्वास्थ्य को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं।

डॉ. प्रसाद देवधर, भागीरथ ग्राम विकास पार्थिस्थान, गोवा के संस्थापक ने ऊर्जा और स्वच्छता के लिए बायोगैस का उपयोग करने, एलपीजी पर निर्भरता कम करने और खुली आग में खाना पकाने से होने वाले हानिकारक उत्सर्जन को नियंत्रित कर स्वास्थ्य में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. एस. विश्वनाथ, बायोम एनवायर्नमेंटल ट्रस्ट, वाटर विजडम, बेंगलुरु ने पारंपरिक वाटरशेड पारिस्थितिकी तंत्र, वर्तमान और भविष्य के शहरी और ग्रामीण जल प्रबंधन में उनकी भूमिका से अवगत किया। उन्होंने पेयजल सुरक्षा के लिए भूजल पुनर्भरण, झीलों और कुओं सफाई, गाद उत्सव और महिलाओं के नेतृत्व वाली टैंक सफाई जैसी सांस्कृतिक प्रथाओं पर प्रकाश डाला। प्रो. डॉ. चित्ररेखा कांबरे, प्रोफेसर, वास्तुकला विभाग, एसपीए दिल्ली ने जलवायु चुनौतियों के समाधान के रूप में पुनर्योजी डिजाइन और बायोसेंट्रिक दृष्टिकोण की खोज की। उन्होंने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और पर्यावरणीय प्रभावों से निपटने में स्वदेशी वास्तुकला की भूमिका पर जोर दिया। सुश्री सुरभि तोमर, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि ने जैसलमेर में घरों और स्कूलों का उदाहरण देते हुए भवन निर्माण और संचालन में ऊर्जा के उपयोग पर चर्चा शुरू की। उन्होंने निर्माण सामग्री के रूप में बांस के उपयोग पर भी जोर दिया, क्योंकि इसमें स्टील की जगह लेने की क्षमता है। उन्होंने नॉर्वेजियन लकड़ी की ऊंची इमारतों का भी हवाला दिया और बताया कि उन्हें स्थानीय संशोधनों के साथ कैसे दोहराया जा सकता है।आर्किटेक्ट. हबीब खान, अध्यक्ष, शाषी मण्डल, एसपीए दिल्ली ने सतत विकास, प्रकृति के साथ परस्पर निर्भरता और मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने आध्यात्मिकता और पर्यावरण मनोविज्ञान, समुदायों के प्रति सम्मान, जलवायु और प्रकृति के संयोजन वाले एक दर्शन का वर्णन किया । "मैं पृथ्वी पर एक आगंतुक हूं" जैसी धारणाओं ने उनके भाषण के सार पर प्रकाश डाला।

सुश्री आर्य चावड़ा, लेखिका, चित्रकार, वक्ता, पर्यावरण कार्यकर्ता, अहमदाबाद ने पर्यावरण मनोविज्ञान पर सामुदायिक भागीदारी के साथ युवा नेतृत्व वाले स्थानीय समाधानों पर जोर दिया। प्रो. बिनीशा पायट्टाती, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वेस्ट मैनेजमेंट, बेंगलुरु की कार्यकारी निदेशक ने रीसाइक्लिंग और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान देने के साथ सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण पहलुओं के रूप में सर्कुलर इकोनॉमी और रीसाइक्लिंग पर चर्चा की। उन्होंने भोपाल और हैदराबाद के अपशिष्ट से सीएनजी संयंत्रों का केस अध्ययन प्रस्तुत किया। आर्किटेक्ट संदीप विरमानी, निदेशक हुनरशाला, भुज ने भवन निर्माण में स्थानीय सामग्रियों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने भूटान, बिहार के बाढ़ प्रभावित मिथलांचल क्षेत्र, भूकंप प्रभावित राज्य गुजरात और मुजफ्फरनगर से संबंधित अपने अनुभव साझा किए।

आर्किटेक्ट अमोघ कुमार गुप्ता, अध्यक्ष, शाषी मण्डल, एसपीए विजयवाड़ा ने वास्तुकला पाठ्यक्रम में वास्तु को शामिल करने पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि आदर्श विकास शोषण-केंद्रित नहीं होना चाहिए और वास्तुकला और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अनुभवात्मक शिक्षा पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। आर्किटेक्ट लोकेंद्र बालासरिया, प्रैक्टिसिंग अर्बन इकोलॉजिस्ट, अहमदाबाद ने गुजरात के मेट्रो शहरों में डीजल से चलने वाली कारों से कार्बन उत्सर्जन, मच्छर निरोधक जैसे रोजमर्रा के उत्पादों में न्यूरोटॉक्सिन और शहरी जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में वर्षा जल संचयन की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए काम किया है। डॉ. अंशू शर्मा, पार्टनर ऐसटीएस ग्लोबल, सह-संस्थापक सीड्स ने सामुदायिक पहल के लिए स्वदेशी प्रथाओं और ज्ञान की बात की। डॉ. राजन कोटरू, मुख्य तकनीकी सलाहकार, इंडो-जर्मन कार्यक्रम, ने पारंपरिक प्रथाओं के माध्यम से हिमालय क्षेत्र में बह-हितधारक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया। आर्किटेक्ट कृति ढींगरा, प्रिंसिपल आर्किटेक्ट, संश्रया डिज़ाइन स्टूडियो, धर्मशाला ने स्थानीय वास्तुकला के लिए मिट्टी और जैविक सामग्री से बनी निर्माण सामग्री की जानकारी साझा की। धर्मेश जड़ेजा, संस्थापक, कार्यकारी, ड्यूस्टूडियो, ऑरोविले ने डिजाइन और वास्तुकला के माध्यम से आवासों के कायाकल्प पर बात की। आर्किटेक्ट संजीव शंकर ने समुदायों के साथ काम करने पर अपने अनुभव साझा किए। श्री गोपाल आर्य, राष्ट्रीय संयोजक, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, समापन सत्र के मुख्य अतिथि थे और प्रो. कैलासा राव, निदेशक एसपीए भोपाल ने सम्मेलन की सिफारिशों पर चर्चा की। सम्मेलन समन्वयक प्रो. रमा उमेश पांडे ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024

संस्थान ने 28 अक्टूबर से 03 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। 28 अक्टूबर 2023 को संकाय और स्टाफ सदस्यों द्वारा सतर्कता की शपथ ली गई। इस वर्ष सतर्कता जाकरूकता ''सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट की समृद्धि'' थीम पर मनाया गया।

प्रेस मीडिया

एसपीए भोपाल का 11वां दीक्षांत समारोह 25 अक्टूबर 2024 को समारोह संपन्न हुआ

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एसपीए) भोपाल का 11वां दीक्षांत समारोह संस्थान परिसर में दिनांक 25 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया। प्रोफेसर किशोर कुमार बासा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण, भारत सरकार, इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि थे। प्रो. हाकम दान चारण, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (शासी मण्डल) ने दीक्षांत समारोह के प्रारंभ की घोषणा की। निदेशक, प्रो. कैलासा राव एम. ने मुख्य अतिथि और उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया एवं विगत वर्ष में हुई एसपीए भोपाल की गतिविधियों और उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि हमारे छात्रों ने प्रसिद्ध संगठनों द्वारा आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों, प्रतियोगिताओं और सम्मेलनों में भाग लेकर एवं पुरस्कृत होकर संस्थान का नाम रोशन किया। निदेशक ने पिछले वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित प्रमुख गतिविधियों से अवगत किया, जिनमें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, प्रशिक्षण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कार्यशालाएं, उत्कृष्टता केंद्र स्थापना और प्रतिष्ठित अनुसंधान और परामर्श परियोजनाएं आदि शामिल हैं।

मुख्य अतिथि, प्रोफेसर किशोर कुमार बासा दो दशकों से अधिक समय तक उत्कल विश्वविद्यालय में पुरातत्व विभाग में प्रोफेसर पद पर भी कार्यरत रहे थे। उन्होंने दीक्षांत "एंथ्रोपोसीन के दौरान आर्किटेक्ट्स- भारत में एक पेशे के रूप में वास्तुकला के लिए चुनौतियां" विषय पर भाषण दिया और सभी स्नातकों को बधाई दी।

इस शुभ अवसर पर 263 स्नातकों (125 स्नातक, 129 परास्नातक, 9 पीएचडी) को उपाधियाँ (डिग्री) और पदक मुख्य अतिथि और अध्यक्ष, सीनेट (एसपीए भोपाल) द्वारा प्रदान किए गए, जिनमे वास्तुकला में स्नातक, योजना में स्नातक, वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण), वास्तुकला में परास्नातक (भूपरिदृश्य), वास्तुकला में परास्नातक (नगर अभिकल्पना), अभिकल्प में परास्नातक, योजना परास्नातक (पर्यावरण योजना), योजना परास्नातक (परिवहन योजना एवं लोजिस्टिक्स प्रबंधन), योजना परास्नातक (नगर एवं क्षेत्रीय योजना) एवं विद्या वाचस्पति (पीएचडी) शामिल थे। उपाधियों के अतिरिक्त दो उत्कृष्टता पदक, नौ प्रवीणता स्वर्ण पदक, एक प्रवीणता प्रशंसा पत्र, दस सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार एवं दो थीसिस के लिए प्रशंसा का प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये।

एसपीए वास्तुकला पर शुरू करेगा सर्टिफिकेट कोर्स

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) वास्तुकला पर पांच दिन का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करेगा। इसमें वास्तुकला के बेसिक्स एंड फंडामेंटल, वास्तुकला का निवास पर प्रभाव, आर्किटेक्चर में वास्तु शास्त्र का उपयोग जैसे विषयों को शामिल किया गया है। गौरतलब है कि वास्तुशास्त्र से जुड़े विशेषज्ञों को वास्तुविद कहा जाता है। इसी के तहत एसपीए ने प्रतिष्ठित वास्तुविदों को इसमें बुलाया है। यह कोर्स 3 जनवरी से शुरू होगा और 7 जनवरी तक चलेगा।

इस कोर्स को आर्किटेक्चर्स, प्लानर्स एंड डिजाइनर्स, फैकल्टी, रिसर्चर्स, बैचलर और मास्टर्स के स्टूडेंट्स और पीएचडी कैंडिडेट्स कर सकते हैं। इस कोर्स के लिए रजिस्ट्रेशन फीस 35 वर्ष से अधिक के प्रोफेशनल्स के लिए 10 हजार रुपए, 35 वर्ष से कम के प्रोफेशनल्स के लिए 5 हजार रुपए, फैकल्टी मेंबर्स के लिए 5 हजार रुपए निर्धारित की गई है। इसके अलावा पीएचडी स्कालर्स, यूजी-पीजी स्टूडेंट्स के लिए फीस ऑनलाइन मोड पर पांच हजार और ऑफलाइन मोड पर एक हजार रुपए है।

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल का 11वां दीक्षांत समारोह

263 छात्रों ने एक साथ ली शपथ, देश की वास्तुकला को सहेजेंगे

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भोपाल का 11वां दीक्षांत समारोह भव्यता के साथ शुक्रवार को संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप मे राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (भारत सरकार) के अध्यक्ष प्रो. किशोर कुमार बासा शामिल हुए। बता दें कि प्रो. बासा दो दशकों से अधिक समय तक उत्कल विश्वविद्यालय मे पुरातत्व विभाग में प्रोफेसर पद पर कार्यरत रहे हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारा हर एक कार्य समाज के हित में होना चाहिए। इस अवसर पर 263 स्टूडेंट्स को उपाधियां प्रदान की गई, जिनमें स्नातक के 125, परास्नातक के 129 और पीएचडी के 9 छात्र शामिल थे। डिग्री प्राप्त करने वाले सभी छात्रों ने शपथ ली कि वह देश के वस्तुकला को सर्वश्रेष्ठ बनाने का कार्य करेंगे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल

आकाश सपाटे ने एम. प्लान की डिग्री हासिल की है। इन्होंने मास्टर्स कैटेगरी में मेडल ऑफ एक्सीलेंस प्राप्त किया है। यह मेडल संस्कृति खेल और शैक्षणिक कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए दिया जाता है। यह पुणे में ट्रांसपोर्टेशन प्लानर के पद पर कार्यरत हैं। इन्होंने कहा कि मुझे एडमिनिस्ट्रेशन लेवल पर प्लानिंग के क्षेत्र में जॉब करनी है। एसपीए में मैंने नाटक में भी काम किया है।

इन कोर्सेज में मिली डिग्री

यह उपाधियां वास्तुकला में स्नातक, योजना में स्नातक, वास्तुकला में परास्नातक (संरक्षण), वास्तुकला में परास्नातक (भूपरिद्रश्य), वास्तुकला में परास्नातक (नगर अभिकल्पना), अभिकल्प में परास्नातक, योजना परास्नातक (पर्यावरण योजना), योजना परास्नातक (परिवहन योजना एवं लॉजिस्टिक्स प्रबंधन) और योजना परास्नातक (नगर एवं क्षेत्रीय योजना) आदि विधाओं दी गई।

इन्हें मिले मेडल

समारोह के दौरान दो उत्कृष्टता पदक, नौ प्रवीणता स्वर्ण पदक संबंधित विभागों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए और दस सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार भी प्रदान किए गए। दीक्षांत समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों के स्नातक हो रहे छात्रों एवं अन्य चयनित शैक्षणिक कार्यों की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

शहरी स्वच्छता पर किया शोध

डॉ. गौरव वैद्य 43 साल के हैं, जिन्होंने पीएचडी कोर्स वर्क में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन्होंने 'शहरी स्वच्छता' विषय पर शोध कार्य किया है। इसके लिए आईसीएसएसआर (शिक्षा मंत्रालय) ने अनुदान प्रदान किया था। 7 साल के शोध कार्य में इन्होंने मध्य प्रदेश के 12 शहरों पर अध्ययन किया है।

दो गोल्ड मेडल मिले

राशि कारकून ने बीएआरसीएच की डिग्री हासिल की है। एसपीए में सर्वोत्तम छात्र की भूमिका निभाने के लिए 'मेडल ऑफ एक्सीलेंस' और कोर्स में अच्छे अंक लाने के लिए 'गिरिराज किशोरी मेमोरियल मेडल' दिया गया है। 23 साल की राशि आर्किटेक्चर में विशेष शोधकर्ता के रूप में आगे बढ़ना चाहती हैं।

अमरीका में करेंगे जॉब

ध्रुव भाटिया ने बी. आर्क की डिग्री प्राप्त की है। इन्हें बैचलर लेवल पर सर्वाधिक नंबर प्राप्त करने के लिए 'प्रवीणता स्वर्ण पदक' प्रदान किया गया है। इन्होंने कोर्स के तहत होने वाली इंटर्नशिप अमेरिका से पूरी की है। अब यह अमेरिका में आर्किटेक्चर की जॉब के लिए दोबारा जा रहे हैं।

एसपीए भोपाल का 11वां दीक्षांत समारोह, प्रो. बासा ने कहा-

2047 तक आर्किटेक्चर के लिए अमृतकाल, जितना चाहें उतना एक्सप्लोर कर सकते हैं

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भोपाल का 11वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को आयोजित हुआ। नेशनल मॉन्यूमेंट अथॉरिटी के अध्यक्ष प्रो. किशोर कुमार बासा मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता बोर्ड ऑफ गवर्नर्स चेयर प्रो. हाकम दान चारण ने की। 263 स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी गईं, जिसमें 9 स्टूडेंट्स को पीएचडी अवॉर्ड की गई। प्रो. बासा ने 'एंथ्रोपोसीन के दौरान आर्किटेक्ट्स: भारत में एक पेशे के रूप में वास्तुकला के लिए चुनौतियां' विषय पर कहा- 2047 तक आर्किटेक्चर के मामले में देश का अमृतकाल है, इस समय तक हम सभी को मिलकर मार्वलस काम करना है, ताकि यह देश के माइलस्टोन पर जाना जा सकता है।

दो स्टूडेंट्स को मिला मेडल ऑफ एक्सीलेंस

दीक्षांत समारोह में दो स्टूडेंट्स राशी कारकून और आकाश उदेभान सपाटे को मेडल ऑफ एक्सीलेंस दिया गया, जबकि कॉलेज के 9 स्टूडेंट्स को प्रोफीशिएंस गोल्ड मेडल दिया गया। इसमें बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर के ध्रुव भाटिया और बैचलर ऑफ प्लानिंग की संस्कृति शुक्ला के साथ मास्टर्स प्रोग्राम में मीरा एलिजाबेथ, शिखा भारती, रम्यजोत कौर, अस्मिता दिलीप कोरपेनवार, लिशा तनेजा, शुभम बर्मन और एस गायत्री को गोल्ड मेडल मिला। इस मौके पर बेस्ट थिसिस का अवॉर्ड 10 स्टूडेंट्स को दिया गया।

30 साल में कैसा होगा भोपाल, योजना तैयार करेगा एसपीए

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल आने वाले 30 वर्षों में कैसी होगी, इसको लेकर पहली बार विकास योजना तैयार की जाएगी। जिसके लिए नए संसद भवन की डिजाइन बनाने वाले भौंरी स्थित स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) से मदद ली जाएगी।

वर्तमान में एसपीए ने ही भोपाल के मेट्रो रूट की प्लानिंग की है, जिसके आधार पर मेट्रो का निर्माण किया जा रहा है। इस प्लानिंग में भोपाल की विरासत को सहेजने सहित शहर को रहने लायक बनाया जाएगा। जिसको लेकर गुरुवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने एसपीए के डायरेक्टर डा. कैलाश राव एम के साथ बठक रखी। जिसमें अगले बीस दिनों में अलग अलग फील्ड के विशेषज्ञों से सुझाव लेने की सहमति बनी।

विकसित भारत के साथ विकसित भोपाल बनाने की कवायद एक बार फिर शुरु हो गई है। जिसके तहत 2047 में भोपाल को कैसा बनाया जाए। जिसमें विकास, सड़कें, रोजगार, विरासत सहेजने सहित अन्य चीजों को शामिल किया जाएगा। जिसके लिए एसपीए को नए भोपाल (यूनिक सिटी) बनाने की प्लानिंग की जाएगी। कलेक्टर ने एसपीए के डायरेक्टर से कहा कि वह जल्द ही यूनिक सिटी की प्लानिंग का काम शुरु कर दें, जिसमें विषय विशेषज्ञों के सुझावों को भी शामिल किया जाए। इसके लिए एक कोर टीम बनाई गई है, जो प्लानिंग की निगरानी करेगी।

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भोपाल के विकास की योजना तैयार करने को लेकर स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के साथ बैठक की। • सौजन्य जिला प्रशासन

गैसकांड नहीं यूनिक सिटी के रूप में दिखेगा भोपाल : कलेक्टर ने कहा कि भोपाल के 2047 तक के विकास को लेकर ज़िला प्रशासन, एसपीए और अन्य संबंधित एजेंसियों के संयुक्त दल का गठन किया जाए।

इस प्लानिंग में भोपाल को ऐसा बनया जाना चाहिए कि देश के पटल पर एक यूनिक सिटी के रूप में भोपाल को देखा जा सके। वर्तमान में भोपाल का नाम गैसकांड के नाम से जाना जाता है।

ट्रांसपोर्ट सिस्टम और प्रदूषण मुक्त होगा शहर

इस डवलपमेंट प्लान में इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रदूषण मुक्त शहर, बेहतर ट्रांसपोर्ट सिस्टम, सस्टेनेबल डवलपमेंट के साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जाएगी। जिसके लिए आगामी 15 से 20 दिनों में संबंधित एजेंसियों के साथ विचार-विमर्श कर प्लानिंग रिपोर्ट तैयार की जाएगी। जिसके आधार पर फील्ड में जाकर शहर की समस्याओं और जरूरतों को सिलसिलेवार चिन्हित कर प्लानिंग में शामिल किया जाएगा।